Dabang Dunia (Indore), 15th June 2022, Page-02

# सिमरोल स्थित आईआईटी परिसर में तेंदुओं के पगमार्क मिले

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

चोरल के जंगलों में तेंदुए की हलचल अचानक बढ़ने लगी है। दुधी बावड़ी-गाजिंदा वनक्षेत्र के बाद अब आईआईटी इंदौर में तेंदुए की मौजदूगी के प्रमाण मिले हैं। अलग-अलग तीन तेंदुए के पगमार्क नजर आए हैं। तेंदुए की वजह से परिसर में शिक्षक से लेकर विद्यार्थी तक डरे हुए हैं। वन विभाग ने भी निगरानी बढ़ा रखी है। सुबह-शाम वनकर्मियों से गश्त करवाई जा रही है।

आईआईटी परिसर में पिंजरों की संख्या बढ़ा दी गई है। वन अफसरों के मुताबिक दस दिन पहले ही एक तेंदुए का परिसर से रेस्क्यू

## शिक्षक और विद्यार्थियों में भय, वन विभाग ने लगाए पिंजरे, वनकर्मी कर रहे गश्त

किया है। पिछले बुधवार देर रात को तीन वर्षीय तेंदुए ने दुधी बावड़ी में झोपड़ी के बाहर सो रही छह साल की बच्ची पर हमला कर दिया था। घटना में बच्ची की मौत हो गई थी। इसके तीन दिन बाद आठ महीने का तेंदुए का बच्चा गाजिंदा में पोल्ट्री फार्म में घुस गया था। यहां एक युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। इसके बाद वनकर्मियों ने जंगल और वनग्राम

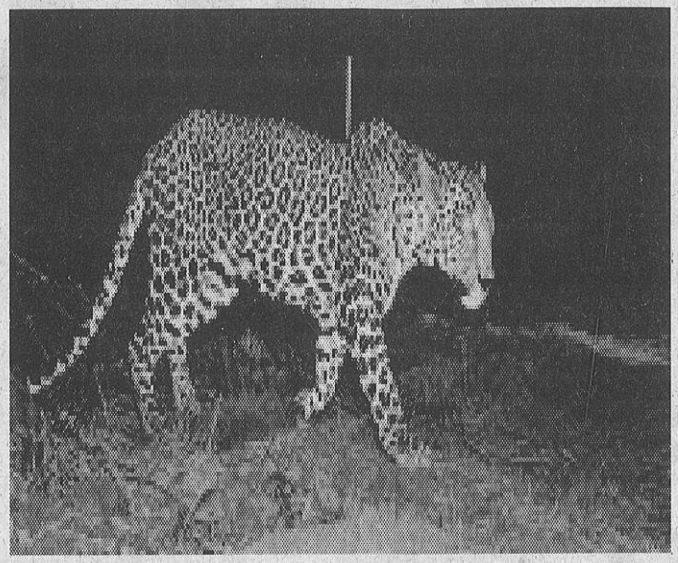

का निरीक्षण किया। पूछताछ करने पर ग्रामीणों ने जंगल में तेंदुए का परिवार घूमने की बात कही। कुछ स्थानों पर पैरों के निशान भी देखे।

सूत्रों के मुताबिक तेंदुए की गतिविधियों के बारे में पता चलने पर आईआईटी इंदौर से भी कुछ लोगों ने वनकर्मियों को इसके बारे में बताया है। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जहां दो वयस्क और एक शावक के पंजों के निशान मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक आए दिन परिसर में तेंदुए की मौजूदगी मिली है। विभाग ने हमेशा के लिए एक पिंजरा लगा रखा है। वन अफसरों के मुताबिक बीते पांच साल में चार बार आईआईटी से तेंदुए को पकड़ा है। सिमरोल स्थित आईआईटी करीब 200 हेक्टेयर फैला हुआ है, जिसमें अधिकांश जमीन वनभूमि है। आईआईटी को 60 प्रतिशत हिस्से में निर्माण की अनुमति मिली थी। शेष जमीन खाली पड़ी है। उस क्षेत्र को हरा-भरा कर रखा है। झाड़ियां व बड़े-बड़े पेड़ होने की वजह से जानवरों को छिपने की काफी जगह है। रेंजर रविकांत जैन बताते हैं कि परिसर में हरियाली अच्छी होने की वजह से जानवरों को घूमने में आसानी होती है। वैसे भी वनभूमि नजदीक होने से तेंदुओं की हलचल बनी रहती है। हालांकि तीन तेंदुए की मौजूदगी मिली है। इसके लिए यहां पिंजरे बढ़ाए हैं।